

मं. २७९

पिगा १ अखयनिनं ऊनया मित्रपा १ हृगुमिमुकमि
वनदहिममागा १ श्रीवद्रयागिनीपादधनधम १ कृ ॥
॥ नागपद्मं कलि ॥ गालमाथ ॥ ॥ मधुलसमय
चक्र मधुलसंपूर्ण १ द्वादश गुकचउचात्रवयन ॥
॥ कृ ॥ जानंगुकनृक्षीसंवनयागिनी १ श्रीयादक

2850 I

लादेवी अवगानूथीया॥ कृ ॥ जकिनी लामाखंडना
 हानूथिनी १ चानिमानचउचापिया ॥ ॥ कायवा
 कचिफूणिनिहवन १ दानपमिया १ ह अवगानूथ ॥
 ॥ ॥ यागयागिनीमनीसमनसंहावे १ अष्टमसाने
 श्रीहनूव ॥ कृ ॥ ॥ नागरुत्रवि ॥ मालरुपा ॥ ॥

पंचगमग १२

॥ पंचगमगमभनियान १ समयाचार्यविश्वरुत्न १
 दशदिगदशवल आनूठ रुनेन दानपमिविघ्ननिन
 वानूथ ॥ कृ ॥ इंइवीनवीनववलिदानदहा दा
 नपमि १ ह अवगानूथ ॥ कृ ॥ पूर्ववेशाचन दक्षिण
 नक्षत्रसंहाव पश्चिम अमिगारु जिनव्यापियान १ उ

रुन अमाघसिद्धि. मारु. अक्राय. चानिमानचउचक्र
थपियान॥ ॥ समाधिशीसम्बनमारुकालचक्र. हव
द्रविष्यरुत्न२ नानाधाधिसत्त्व आणीवार्दभनियान. (
चानिमानचउयायियान॥ ॥ सिंहनादवाकियान.
उमन्त्रवाङ्म. अष्टयागिनीमनि. सिफियान२ उम

अऊमाला. कन. धृत्वा. वरांग. स्थानली. लया. ॥ कपळ
वीगिन॥ कामादमा. प्रकीर्तिता॥

मन्त्रवाङ्मनया. अष्टयागिनिमनियान. जालंधनिपू
णकर्धूपागभवयिया. चानिमानचउचक्रथपियान
॥ कृ ॥ ॥ नागरैत्रवि॥ गालइर्जमान॥ ॥ नम
दुं आकानूधनूबधनू२ साकृविसत्त्वउकानूधनूध
॥ ॥ गेनादुं२ गेनागेगेदुं॥ ॥ धवलसू संखिवदह

नमोदुं १३

१४ नमामि २

धनु १ सनदसूहाहियकानूधनूध्मा ॥ कृ ॥ दंदआ
लिंगनयागधनु १ वक्राघध्मा मूडालयमूत्रनि ॥ कृ ॥
मायाविद्वहविनिनऊगु १ सहाहियवक्रसत्त्वपनम
ध्वन ॥ कृ ॥ ॥ नागरेनव ॥ मालदुर्जमान ॥ ॥
नमामि १ जिनधगुकनंतुकचगुनमूत्रनि. आलंक

ना १ पंचज्ञानपंचधगुस्वरूपावृद्धधर्म आलथध्वना
॥ कृ ॥ ॥ गनादं १ ऊगगसंसात्रउद्धानियामनाहन
नमामि १ पंचजिनध्वना ॥ नमामि १ श्रीधमं निपूने
ध्वनमृद्विसिद्धिवनदायनि १ इनिगहनधसर्वपा
पऊयंकनदानपूध्वजुंसाऊप्रदा ॥ कृ ॥ ॥

हिनवानि. शीविद्याधनिदविष्यलयिया॥ सूर्यमधु
लमाः उदयननीति. नीनसंहावे. स्थिनिया १ कन
धसंहावेपिवयिननीति. थनहनमयन. उन्मनिया
२ अथिनथिननहायिनद्वंद्व. अवधवआलिनका
लिया १॥ ॥ सहजानंदमहासूरवधलयिया. वृद्ध

आगमनकाकसकाहमेनी॥ लगावसान. चकिगापुमडा
मधुविष्य. नानप्रमाण॥ मधुकनीयंकथिगापुनीडे॥

अकिनिदवी. अकालिया १ कनधमहानसपिरुव
नरुलयिया. एवंगुणवनः हायिया १॥ आदिअंग
ननिनूपमजानि १ प्रंधमाभिसनवनहनयिया
॥ कृ ॥ ॥ नागमधूमग॥ गालदुर्जमान॥ ॥
गिचक्रनविषाणिमधुलमाः स्थितिआनंदमूर

मिधना १ वक्रवानाहि जालिंगध संवन नाना नमि
महाकला ॥ ॥ गनां १ गनां १ गनां १ गनां १ गनां १ ॥
॥ ॥ नीलवर्ध च गुर्वकु प्रमि मुखगिभगु पनमानंद
मूत्रमिधना १ विषवक्र अर्धचंद्रजटामकूटधनहा
७ आरुनधसू ॥ ॥ वक्रयंठगजचर्म ७ म

सूखदांगधनविनमानंदमूत्रमिधना १ कनमिकपा
लयन ७ पाणधनगि ७ लवप्रमिभधना ॥ ॥ दिगं
विदिगंकाकास्यादि जमदाधिया ७ सहजानंदमूत्र
मिधना १ नमामि १ श्रीचक्रसंवन सगूगुत्रचनध
आनाधिना ॥ ७ ॥ ॥ नागक ७ ॥ गालषट्कं

पवनक
१८

काल॥ ॥ पवनकलननील·धनक्षिमंतुल१गद
पनिकनकाचलमध्ववर्णि॥ ॥ नोमिणीचक्रसंव
नगवपदकमलं·शीवक्रवाहाहि आलिंगना॥ ॥
आलीकालीआलीठचनध१चगुर्मानमर्दन·रुव
रयहनध॥ क्र ॥ वेदवदना·दहननयना१घन

नसप्रनिगसंवनवनध॥ क्र ॥ विश्वरिडूनसार्ध
निशीर्ष१मंठितमखलकंतुलकनध॥ क्र ॥ अ
नकपदीप·उदयंचक्ष१य१नकाटिघंभयव
यकनिग॥ क्र ॥ वादिगुमनुधनिगखद्वांग१
गीकूकभनपाठगिणल॥ क्र ॥ सत्रधिनमद

नमो भगवते वासुदेवाय

मङ्गासवरुदशपीयूषाप्रनिगकनाटकल्लहिगा॥
॥ क्र ॥ कनगिसनाजा-सुनठिनधनिगा २ सयहग
ननठिनमाललंवीग ॥ क्र ॥ सगुगुचनधमस
कधनध-रुनगिसूधहर्षसंवनगीगा॥ क्र ॥ ॥
॥ ॥ नागनामकनि॥ गालमाथ॥ ॥ कमलवि

काठिन-स्थितिदृष्टासन-कूमृदिप्रियवर्धूसमदहा २
चगुर्वदन-कुवलयदलासन-भगुप्रकाशिता॥ क्र ॥
नमामि श्री श्री महामंशु श्री सकलगुधनांयसूनगु
॥ ॥ कूमृदिदहनहानप्रकाशिन-सर्वहूहाननि
धिवनगगा॥ क्र ॥ प्रथमकनदयधनिगवज्जघं

ठमूद्रामालिंगननाजिगा १ दिगीयांकुणधनगुणी
 यद्गानस्कंध. चतुर्थखजसव्यकूनधना॥ कृ ॥
 उरुयगुजपाठा. कुवनधर्मचाप. चतुर्थवामधृग
 पूरुका १ नगनमकूटशिषप्रकलिन. किलिषना
 धनत्रुचि वना॥ ॥ निर्वृद्धिवृद्धिहांती. निमिरुह

निगा. सर्वहृद्गाननिधिवनप्रदा १ नृकंचनधधनध
 मागग. पनमाद्यवक्रऊन्मनि॥ कृ ॥ ॥ नाग
 ग्रामकनि॥ गालमाथ॥ ॥ हनिदध्वसूगाननना
 जीवलाचन. इर्गनिगानधर्कजासन॥ कृ ॥ नमा
 मिश्रीमदवलाकिगध्वन. जगगपालिनगिरुवध्व

ना॥ ॥ गंगयकासान्वामपाधिगलवनदद
 हिनययल्लना॥ ॥ ॥ मकूटविशानिगंमिग
 गथागन॥ ॥ मन्त्रासूननननधगगाश्चरुनभा
 ननचगुनयंच॥ ॥ षगिनयनवंदिन॥ ॥ पदपंवे॥ ॥
 सगुगुनचनध॥ ॥ मरुकधनधं॥ ॥ एनयिसूखाहर्षरुवह

सुवर्धूप्रगाग॥ ॥ सुनरुषधच॥ ॥ नीलनिधाल॥ ॥ वपूषावहंमी॥ ॥
 कांगपुदापा॥ ॥ ममधीगिगधि॥ ॥ मानोन्नगा॥ ॥ नामकनीप्रदिष्टा॥ ॥

नधं॥ ॥ ॥ ॥ नागनामकनि॥ ॥ तालमाथ॥ ॥
 ॥ मलपुशायनि॥ ॥ संस्थिनदृतासनंदिऊनाऊ॥ ॥ समव
 धूदहधनं॥ ॥ ॥ कवदन॥ ॥ कवल्यकुदायनन॥ ॥ पुका
 निगं॥ ॥ ॥ ॥ नमामिशी॥ ॥ अनयचनमंरुशी॥ ॥ सकल
 हानप्रदं॥ ॥ ॥ ॥ मकूटविशानिग॥ ॥ पंचजिन

॥ मन्त्रपञ्चा ॥

वनं. सकल लोक कर्म. कर्म कनं॥ ॥ प्रथमदऊर
 ऊधनिगखऊन. अरुनलेलवन केदिगं॥ अय
 सव्यकनधुग. प्रवनपूसकेनसकलसत्त्वधगु. प्रमि
 वाधिगं॥ ॐ ॥ दिगीयकनद्वय. धनिगवाधवापा
 म्प्राक्कगपापनाशि. खधिगं॥ विधिविपूषंकन

दीनानना. दयिग मंगलजा नूकान॥ नाऊंऊ लि विदधगीगलद
 हंम यगिदयिगदो नखांकमूडा॥ कक्राभिकाकनिगधुदइकलव

भूहासा॥
 ही॥ १५

धकादिदववन्दे: सहकूपापूजिग. पदपंकजं॥ ॐ॥
 दहिनगधपनि. वाममहाकाल. सिद्धिवलवृद्धि.
 मूनप्रदं॥ सगुगुत्पादांशऊ. मरुनस. वांङ्किग. ए
 नमिजिनहर्षकूलिगधनं॥ ॐ ॥ ॥
 नागकक्रान॥ मालषट्कंकाल॥ ॥ अवनिनि

अवनिनि २२

हिमवामजाननस्य. खड्गकिनध. मानसंगासा
१ नागद्वयमाहवंधिनपा. गिरुवननाया. भूव
लवीना ॥ ॥ नमामि श्रीचंडमहानाथ. जागमृ
गुनि. कंदिना. १ विश्वनाथ. विश्वव्यापिन. वीनवि
क्रम. महाकाधनाया. जागमृगुनि. कंदिदा ॥ ५ ॥

अगिरीषध. उग्रप्रचंड. दंडुकनाया. विश्वगकिन
ध. १ पीठिन. अधना. कंकलनयन. वेनिसंगासा.
नाथ. कृष्णनध ॥ ५ ॥ माधवमाया. पुनंदनवक्रा
नूडपि. चाया. दहनंगा. १ समनसमाया. नागवि
माल. ज्ञाननागसंभा. दिगदहा ॥ ५ ॥ नल्लारुनध

म. २४

॥ कृ ॥ ॥ नागकनदि ॥ उकनाल ॥ ॥ श्रीमं
रुनाथवन. महाचीनविजया १ चंद्रहासरवप्रधानि
नागवासस्थल ॥ कृ ॥ नमामि १ श्रीमंरुक्माना १
उगदीधनउगनगुन. गुवनव्यापिना ॥ ॥ प्रसू
कधन १ रुपनमगुननाया १ श्रीधर्मधगुस्थान. न

उत्तर

पालविरूपिना ॥ ॥ उगननाथउगन. निनंजनना
या १ सर्वधरुविधानदपंठिननिनंजना ॥ कृ ॥
॥ ॥ नागवसंगललिग ॥ कालइऊमान ॥ ॥ अ
सुदलसनाऊउरुवप्रकाशिन १ श्रीधरुमृनिवन
ध्यानलोचना ॥ ॥ दहिनवक्रपाणि. वामकमलपा

अ. २५

धि. नमामि श्री धर्मनाय महामुनि ॥ ॐ ॥ दहिन
 किंकि निधन वाम कृति का पाश विचित्र चोवन ध
 नि अरुण प्रदत्ता ॥ ॥ कानू धमान सनिर्मल हृद
 या. ऊग रु उच्छान ध विरुव प्रदत्ता ॥ ॥ जनम २ सु
 गत च न ध कमल गुप्ता सुमन ध मम भा उ प्रदत्ता

॥ ॐ ॥ ॥ नाग रे नव ॥ गाल पद कं काल ॥ ॥
 धर्मना ज्ञान सन. यमना ज्ञवाहन. मान संशोसन.
 विघ्न निवान धं ॥ ॐ ॥ यमांग कवी नद ध क्री भ्रही
 न. एया दधि गो न. मं उल कील ॥ ॥ खग पथ वर्ध
 क धुल कर्ध. री मणि नयन. घमू प्रा ए न ध ॥ ॥ कृति

धर्मना ज्ञ २५

ॐ मृजन. गऊनी पा ॐ. धनचतुः कन अदा दहास ॥
॥ ॥ पद्मांगक प्रहमि. वीनसं वृ गगध वीन सेन्य. वी
न धनस हेग ॥ ॥ पद्मांगक वीन. विष्मांगक वीन
ये लोक विजय कालानल सूर्य ॥ ॥ हनूक वक्र.
पन मा धवक्र. उष्णीष वर्ति भुं एना ऊ वीन ॥ ॥ अ

हृदय. अरुणे ध्वर्य एन धं. कनूग वचन धं.
समं न धं ॥ ॥ सगुगु न चन धं. मसूक धन
धं. एधमि अमृग वक्र यमांगक गीतं ॥ ॥ ॥
नागध नाथी ॥ ॥ उक गाल ॥ ॥ गऊ मूरव गिन यन
तां उव मूरमि. नृणा धिप मिग एध ना २ हन मलि

113 -
Tautic
Buddhist
songs

५५
५५
५५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नागसेनव ॥ गालजगि ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
मंगवि ॥ यउ चानूने १ पूजा पूजिग पूज संलधे ॥ न
चखनूप हवंगुन ॥ ॥ खखखाहिरय चिवलि पूजा
१ घघघाटय घाटय विघ्रां १ १ पंचामिया न संपं व
सालि १ पंचहान सर्ववलिना १ सर्वय ऊना ऊसरु

न प्रगपि ॥ चले अपस्मान १ १ कजकि निद्रयि
असु ॥ न ॥ ॐ दं वलि गृह गृहं गुन ॥ ॥ समया
न क गुदान पणि न सर्व सुख संपद ॥ नि १ १ यथे
वक्र ॥ थे वरुं ऊथ पिवथ १ १ जीघंठमा गृका हवंगुन
॥ ॥ दान पणि सर्वकार्य सिद्धि १ १ मनो नथ सर्व सु

उदिगागन २८

खपदं गि २ आन सं सा न ग थ ग ग व य न सा ह
यं क न रु वं गु न ॥ कु ॥ ॥ ॥ ना ग धि न
॥ ना ल मा थ ॥ ॥ उ दि गा ग ल ल य प व न धू ना २ व
न सा दा म सं का स नी ना ॥ कु ॥ धो न दू ह्य न रु य नि
॥ च नि ना २ अ ख य नि नं ऊ न मा ऊ ग ना ॥ ॥ दि

न क न मं उ न न ध ग ना २ स ह ऊ मृ ग न स स व क
ना २ ॥ कु ॥ द म्भ अ नि रु य प्र मि नि हं ना २ द वा
स न न न न ध मि ना ॥ कु ॥ ग वं गि य व न पा न
गु नू रु ग न २ व द्र वा ना हि गु रू पा य न ध मि ना
॥ ॥ ना ग र म उ मि नि ॥ ना न मा ० ॥ द्वे षि न ह

नह नवनवि लासयिके २ इथरु ना दामधुल
 नायायुगने २ रग न निवासिया न॥ अमी पत्रमी
 यनि नं न न दहा सह सुहं दनी ने या श्री न हने प्रविष्ट
 नाव यि न रग न निवासिया न॥ उव इया गि नी ह ले मला
 वरु वा ना हि आलिं गध को ले नाव यि न रग न निवासी
 या न॥ इथे हं ह ना दा कुरु क वा ने इय आलिं गध
 नी ला वर्धू वा ने नाव यि न रग न निवासिया न॥ इथे ह

नादाया संवन नायां रग ने रग न निवासिया न॥ कु॥
 नाग विराट॥ माल अक्रमाय॥ ॥ हं हं हं हं हं हं हं
 साव लय नर २ हं हं आलिं गध या गध न २ हं वजा गु क्रम ना
 हं २ हं वजा गु क्रम ना हं हं हं न ना न न हं हं हं २ हं वन न वं दि -
 न व न ध व न २ हं हं म विलेपन द हं व न २ ला व वि मा क द वि
 हं हं हं २ गु क्रम ना का टिया न २ न मा मि २ श्री हं वजा २ गु

अ
 अ
 अ
 अ

प्रगुमन्नापिथियाव ॥ क ॥ रुवजातु प्रगुमन्नाहं रु
 रुगुमन्नाहं रुगुमन्नाहं रु ॥ ॥ ॥ ॥

॥ नागगर्वं उगिति
॥ गाल इर्जमान ॥ ॥ हाउ आहन क्ष. क्रिया निन
संवन. धनयिकं वा निन रुसा १ प्रिय नायन. मेठि

हाता २७५३

या ४ म ४ न १ म कूट के सा दिगं वना ॥ ४ ॥ ५ ॥
 भा नू ब सं व न ने या. सह ऊ सृ द नि भा नू का ला २ ह
 म वि ना जि न व द्र वा ना हि रु दा म हि या यि न सा ना
 ४ लि हा य न. व न सृ ह म य न. क र्पू न रु न यि गां वा
 ना २ ग ग न नि न वा नू न. वं धि न आ दा २ म नू मं तु ल

एवलीना १ प्रियधनखडांग. कादिरात्रासंवन.
 पयिसुयि ७५ न्य एवताना १ हमविनाडिन. वडावा
 नाहि. गुफ्रविनूदधि अंधना १ गभवंगिलीला. वडा
 थायियावन. सगुगुनचन ६५ आना ६१ ॥ समया
 आनंदरुलिरात्रामधुल. संवनवडावानाहि ॥ ६५

नकीकंउल ३१

॥ ॥ नागभाउगिनि ॥ उकमाल ॥ ॥ चक्रिकुंड
 लकंठिनाचकमेखलहृषिक. गीवशोदननक्षि
 माला १ सनचक्रिचक्रिनेया. हस्मविहृषिक. ग
 गननानिबंधनिवाना १ ॥ अंबुषाणिहृवद
 मानूकालायुगनाथ. श्रीसंवनत्राया १ वडाकनाठ

कहात्थधनिया.कं.ए.दिनइंखद्वांग१संपूटयागि
 नीकमलविहासि.रा.ना.महासूखमनिप्रसाद१
 वद्गवानाहि.आलिगनेसंवत्.नाचयिवद्गवाहं
 रा१वा.कलिकालयिकी.उं.मिहन्व.अर्द्धगुवरु
 लनप्रसाद१सहजसदृष्टिनेया.गभवंगिकर्षूपा

हन्ववनधप्रसाद१प्रहाआलिगनेहन्वनील
 वधू.विलासयिष्यकन१॥ ध्रु ॥ ॥नाग
 हेनचि॥गालइर्जमान॥ ॥गजाजिनउर्द्धहात्थ
 धनिया.कमलकालि॥अंगवाना१उमन्कनमि
 कभनयिष्यल.वामखद्वांगकपाल१॥ ध्रु ॥शी

संवनायंवाकलि. गुड्डकं वना नृप १ मानयि न
 चापिया निनमाया. सहस्रं ह अवनाललीना ॥ ॥
 पाठव्रद्धमं उदादहा हा. धनियाउन न णिनमा
 ला १ विश्वकलि १ अर्द्धचंद्र उदायूग व्याघ्रचर्मषट्
 मूद्रा ॥ ॥ आलीठ प्रणारुन ध. चापयि न ध्वन. का

लिनागिदिनमूद्रा १ नीलहनिगलाहि कनकामय
 चउमूख अगिविकनानृप ॥ ॥ कमि १ वीनवी
 न ध्वननायक. गिनिचक्र महावीनवीना १ कनूध
 सनागविपदीन ध्वन. गुं ऊयूसयन संसानृप ॥ क्र
 ॥ ॥ नागजलवर्धू ॥ गाल अंरुमाथ ॥ ॥ दिगुज

द्विमूख. प्रिनयना २ मकूटकं ४५ दिगं वना ॥ कु ॥
 गनाका. गनाका. गनाका ॥ ॥ वामकनाटक
 दहिनकनमि २ हाउ आरुनध विरुषिमा ॥ कु ॥
 सूर्यमधुलमाट. गाधुवमूनमि २ नननिनमा
 लसू. ५५ हिमा ॥ कु ॥ सगूगुनचन. ५५ निनगन

धनिया. वक्रवानाहि. आनाधिमा ॥ कु ॥ ॥
 प्रागमालव ॥ गालमाथ ॥ ॥ वक्रिधिधालिवना
 लिचं जालिनी २ सिंधिनिवाप्रिधि जंबूक उनाकि
 नी ॥ कु ॥ नमामिणी जगं वन हानधनी २ गि
 निनप्रदवी. गिगुवनप्रवि. ५५ ॥ कु ॥ पूर्वउरून

पश्चिम दक्षिणदिगदवी १ जाकिनी दीपिनीच
 उस्सिकं वाजनी ॥ ॐ ॥ चतुर्दिगुरु मरुलनंगु
 दवी १ शिनीशि । नदवीनाचगुर्दवी ॥ ॐ ॥ हविह
 नवप्र ०० न्द अस्रनगद्य सा उठयागिनी समन
 स्रव ॥ ॐ ॥ ॥ नागहं दाल ॥ गालमाथ ॥ ॥

ॐ
 आ
 न
 म
 ह
 व
 ॐ

ॐ आनं स्रवमूनमिनीलजीमूगसंकाश खर्व
 लं वादन शिनयना १ चानिवदन हयंकना ॥ ॐ ॥
 श्रीदवमहाकाल कंकानमूनमि । मृद्धि सिद्धिवन
 दाना ॥ कनमिखर्व्यनख प्रशिभलमानदप्यसंहा
 निना ॥ ॐ ॥ निपूहदयापनिप्रणालीठा १ व्याघ्र

चर्ममधुमाला २ मोती अकार्यजिनवना २ सास
नपालिगमहावीना ॥ क्र ॥ इन्द्राकनाललाल
जिका २ अरुद्रुटिउर्वक ॥ २ अजंगआहनध
रुषिमदहा २ शीषास्यापिगरुयंकना ॥ क्र ॥
शीदवमहाकालयिगुचनव्यापिगदवासूनन

नसविना. सगुगुचनध. शीनागमर्जन. चनध.
कमलवदिगा ॥ क्र ॥ ॥ नागसेनव ॥ गालक
नि ॥ ॥ पूर्वदिगमंचल. चं ऊग्रमममन। दवि
वक्रायनिहंसासनि २ ॥ क्र ॥ सेनव. महाकाल
गधपतिकुमाना. वीनऊग्रपालयऊग्रकुलि २

पूर्वदिगमंचल ३७

पूजिया नमम अलिवलिनृतिना. चोसथियागि
निमाहृगध २ नोडहवन श्री अष्टमममनह
नप्रनपिष्ठचगध ॥ क्र ॥ उहूनादिगांचल. गक
नममममन. दवीनो डायनिवृषवाहनी ॥ क्र ॥
पश्चिमदिगंचल. कालांकलमममन. दवी ००

आयनिगजवाहनि ॥ क्र ॥ दक्षिणदिगंचल कलंकल
मममन. दवीवानाही महिषासुनी ॥ क्र ॥ अ. एनका. ध
अष्टाष्टमममन. दवीकोमानी मयूनासुनी ॥ क्र
नेमृण्यका. धल श्रीवर्धमममन. दविविषूविग
नृजसुनि ॥ क्र ॥ वायूवका. ध. धानांधकमममन

३७
वैजयन्तमन्त्र

दवीचामृधुप्रगामनी॥ क्र ॥ ॐ नमोऽथ किलि
किलमममन-दवीमहालम्बि सिंहसनि॥ क्र ॥
॥ ॥ नागरेनवि॥ गालयद्वकं काल॥ ॥ चधुय
मममन-धीनसहजा-वासुकिनागभगर्जिनमघा२
गहनमममन-अथकवजा-धूर्ध्वममघा-गजक

नागभ॥ क्र ॥ ॐ नमोऽथ मज्जलज्जल्लगवन्निवायूना
जसदिगंविदिगं-वलिगृहं गुनं २ अथमममन-
कुमासवीनध्वन-नाचयिसहजा-नंदनं २ कंकलि
घात्रा-वर्त्मममघा-कालांकला-कर्काटकनागभ २
कलंकलेनवा-वर्त्मममघा-सनसिद्धनागभ-चूगकवृ

का १ अद्वाहसा ठंखपालनागम. प्रचक्षुमघा. व
 टमहीनृहा २ लक्ष्मीवर्धकनंजुहका. घृष्टिगम
 घामहापघनागम २ धानमममम. प्रकटिगवृका
 अनकनागम. पूनधमघा २ किलि. किलिलावा अ
 र्शनवृका. कलिकनागम. वर्षधमघा २ द्वादशरुका

द्वादशरुवना. चउवप्रवदना. द्वादशनयना २ ह
 नयिकर्धपानाषड्ठनधम. कालिनागिनिपूचाप
 यिदनना ॥ ५ ॥ ॥ नागष्टमममालक्षी ॥
 गालसाथ ॥ ॥ यागमंवनगपदपंकजठनधं. स्नान
 त्वनि नोमि. हवदोयठनधं ॥ ५ ॥ नाथरु. नाथ

श्रीगणेशाय नमः

दुः. नाथस्तु. नाथं दुः दुः दहिमनाथ. अजयपदं ॥ ॥
वज्र. अकिन्नादि. गद्यपत्रिवनधं. संशसिगमानग
द्य. लवणनध ॥ ॥ इनीकृग. अगिजनात्रुजम
नधं. यागं कनमद्य. महारुयहनधं ॥ ॥ धर्मा
र्थमनाथकेवलहनधं. दुः. यात्रसंसात्र. अलनि

धिगत्रधं ॥ ॥ साकात्रनिनाकान. विष्वनित्रंजन.
पृथ्वीगगधं. अलनिधिगत्रधं ॥ ॥ धामानलनल
वध. साधवकहो. पूजिगंगवचनधं. सलगुस्थवि
त्रे ॥ ॥ सगुगुचनधं. शिनाधन. सूधनंद. एन
मिथीयागंवन. वनवधूनि ॥ ॥ ॥ ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

नागमधूमग ॥ गालदूर्जमान ॥ ॥ नमामि श्या
गं वन वृक्षे धनः ॥ न जकि नि आलिं गिता ॥ इति
महन ॥ अग्निधवल गुदहा ॥ न जकि नीयन म
धनी ॥ ॥ ॥ गना दूंकं ॥ गना दूंकं ॥ गना ग न दूंकं
दूंकं ॥ दहिन कन ॥ न वाम धन ॥ धन ॥ कचयुग ब्रह्म

कपालधना ॥ वक्र घंठ गि नि लाचन सुंदरी ॥ प्रह
सि गक्रा धरं गभन वीना ॥ विविध मान वल ॥ विघ्न
विनाशन ॥ अद्वि सिद्धि वन प्रदायनी ॥ हनं गुहवं
गुनि वंधन मादन ॥ माच स्रग गगान यंगु ॥ प्रध
वव शपन मागु नृह गमि लावं गुहवं गुणि पृथप

दं १ ऊनमऊनम. कृगपायऊयंकन. आदिवृक्षप
नमठ्वनं ॥ कृ ॥ ॥ नागललिग ॥ गालर
य ॥ ॥ पूर्वदिगस्थितरुगसंहा नाइदं नि निपू.
संशा सकानिधी १ कृष्ववर्ध. महासाहस्रप्रमर्दि
नि. धानकपिलखप्रधानिगा १ ॥ कृ ॥ नमामि

नमामि. महाप्रगिसनादवी. इहगर्जनिपाठ. च
प्रधानि १ सिगवर्ध. सुखारिग. विष्वकमल. व
द्रपय्यंक. मध्यविजयो ॥ कृ ॥ दहिनदिगमहा
मायादेवीमहामायूनी. हमप्रता १ शांकात्रमहा
ज्ञानाहूना. चिंतामणि. नलधनी ॥ कृ ॥ पश्चिम

दिगमहा. मंगानुमानिधि. दिवाहनधरुषिगाः
चानुवदनि. नकवधू. चक्रपञ्चासन. चनदहका
१॥ कु ॥ उरुनदिगमहाभीतवति. मानविके
दनिदिवाहूयो १ अथिनजन्माचिन. णिनसिम
हानजा. धनिनसयन. एवगानधी ॥ कु ॥ सुखा

दिनवग्रह. विविधिसंप्रजनि. दीर्घाआशगध. दा
नपनि १ अष्टाविंशति. गानकांकदवि लोका
लसर्व. इनिगहनधी ॥ कु ॥ ॥ नागकरु
॥ गालषट्कंकाल ॥ ॥ श्रीहवद्रनेनात्मादवि
गिरुवननाथ १ पंचजिनव्यापिनपंचवधू दहा ॥